☎ STD 05278 V.C. 246223, 246330 (O)
05278 V.C. 246224, 245209 (R)
Fax V.C. 246330(O), 245209(R)
Registrar- 245957(O), 246042(R)
F.O.- 246386(O)

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या (उ0प्र0)
DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADHUNIVERSITY, AYODHYA (U.P.)

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

नई शिक्षा नीति में स्वावलंबी भारत की पहचान

उच्च शिक्षा विज्ञान राज्य मंत्री ने कहा, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा देश

संवाद न्यूज एजेंसी

अयोध्या। देश आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। प्रत्येक आपदा में संभावना देख रहा है। नई शिक्षा नीति में स्वावलंबी और उभरते हुए भारत की पहचान समाहित है। इस नीति का प्रसार जितना शीघ्रता से किया जाएगा। उसका परिणाम उतनी ही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है।

यह बातें डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में बुधवार को नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा विज्ञान राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने कहीं। उन्होंने कहा कि देश आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान और भविष्य को सभी को मिलाकर अच्छा बनाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि आत्म निर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी लोगों को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

शीघ्र ही इसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. चयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखते हुए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रो. पीवी राजीव एवं प्रो. आरएस मिश्र ने संबोधित किया।

इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अशोक कुमार शुक्ल, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, डॉ. महेंद्र सिंह, इंजीनियर चंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अवध विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में राज्यमंत्री नीलिमा कटियार को स्मृति चिह्न देते कुलपति व अन्य।

अमर उजाला माईसिटी, अयोध्या

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

भगवान श्रीराम जन-जन के नायक : प्रो. रविशंकर

अयोध्या। भगवान श्रीराम जन-जन के नायक है। इनको किसी भी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रभु श्रीराम ने जो मार्ग हम सभी को दिखाया है उस पर हम चलने का प्रयास करें। यह बातें डॉ. राममनोहर लोहिया अवध

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने बुधवार को गुरुदेव पैलेस नाका बाईपास में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के दौरान कहीं। कुलपति एक लाख एक रुपये का दान स्वरूप निधि समर्पण अभियान को भेंट किया। उन्होंने कहा कि श्रीराम का मंदिर निर्माण भारतवासियों के खुशी का क्षण है। इसके लिए इस अभियान का शुभारंभ किया गया है। इस अभियान में विवि पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. आरके सिंह, राष्ट्रीय मंच पश्चिम बंगाल के महासचिव वसी हैदर, नगर संघचालक अनिल सिंह, नाका हनुमानगढी के महंत रामदास, राष्ट्रीय कथावाचक चंद्रांशु महाराज, हनुमानगढी के महंत राजू दास, अवध प्रांत प्रभारी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच हाजी सईद अहमद, नगर अभियान प्रमुख विवेक शुक्ल सहित अन्य उपस्थित रहे। संवाद

हिन्दुस्तान समाचार, अयोध्या

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

विज्ञान व प्रौद्योगिकी उच्च शिक्षा राज्यमंत्री ने नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का किया समापन

समग्रता से आगे बढ़ रहा देश : नीलिमा

अयोध्या | हिन्दुस्तान संवाद

कार्यशाला

- नई शिक्षा नीति में स्वावलम्बी भारत की पहचान समाहित
- आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा

प्रदेश की विज्ञान और प्रौद्योगिकी उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। देश का वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है।

उन्होंने बताया कि हम दुनिया की सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहे हैं। जिस प्रकार प्राचीन काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धति को एक साथ लाया गया है। उन्होंने कहा कि स्वावलंबी भारत और उभरते हुए भारत की पहचान इस नई शिक्षा नीति में समाहित है।

राज्यमंत्री श्रीमती कटियार डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में नई शिक्षा नीति पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। भारत प्रत्येक आपदा में संभावना देख रहा है। इस नीति का प्रसार जितनी शीघ्रता से किया जाएगा उसका परिणाम उतनी ही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। श्रीमती कटियार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक- एक विद्यार्थी दृढ़ संकल्प करें तभी हम उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ सकेंगे एवं सक्षम बनेंगे।

कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी तबकों को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। शीघ्र ही इसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मनोज अग्रवाल, प्रो. दिनेश कुमार, आईईटी के निदेशक प्रो. रमापति मिश्र, प्रो. चयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर विचार रखे। उद्घाटन सत्र को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रो. पीवी राजीव एवं प्रो. आरएस मिश्र ने संबोधित किया।

संचालन मनीषा यादव एवं संयोजक डॉ. तरुण गंगवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. मुकेश वर्मा, नितेश दीक्षित, राजीव कुमार, आशीष पाण्डेय, इंजीनियर श्वेता मिश्र व डॉ. महिमा चौरसिया का योगदान रहा। इस दौरान कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अशोक कुमार शुक्ल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. महेन्द्र सिंह, चंदन अरोड़ा, प्रवीण मिश्र व अन्य मौजूद रहे।

बुधवार को अवध विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला के समापन समारोह में राज्यमंत्री को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति

दैनिक जागरण, अयोध्या

दिनांक: 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्या: 05

सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहा देश : राज्यमंत्री

कुलपति बोले, आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण जरूरी, अवध विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर आयोजित हुई संगोष्ठी

campus कॉर्नर

संसू,अयोध्या : डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में नई शिक्षा नीति पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी के समापन सत्र को संबोधित करते हुए उच्च शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने कहा कि किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था के बारे में उस देश के विद्यार्थियों को ही देख कर पता लगाया जा सकता है। कहा, हमारा देश सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहा है। प्राचीन काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ प्रदान की जाती थी, उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धतियों का समावेश है। इसी पर आधारित शिक्षा बच्चे ग्रहण करेंगे तो उनका समग्र विकास होगा। कटियार ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण जरूरी है। उन्होंने नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से सभी को परिचित कराया। बताया कि विवि में इसे लागू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मनोज अग्रवाल, प्रो. दिनेश कुमार, प्रो. रमापति मिश्र ने विचार व्यक्त किए। विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. चयन कुमार मिश्र ने आयोजकों को बधाई दी। पहले दिन बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. पीवी राजीव एवं प्रो. आरएस मिश्र ने संबोधित किया। कुलगीत की डिजिटल प्रस्तुति हुई। संचालन इंजीनियर मनीषा यादव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ तरुण गंगवार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान शिक्षक व विद्यार्थी मौजूद रहे।

नई शिक्षा नीति पर आयोजित गोष्ठी की मुख्य अतिथि राज्यमंत्री नीलिमा कटियार दाएं को स्मृति चिह्न प्रदान करते कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह दाएं से दूसरे ● जागरण

साहपरी का खिताब पर कब्जा

संसू, पटरंगा : मवई की ग्रामसभा मोहम्मदपुर दाऊदपुर में दो दिवसीय क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। फाइनल मुकाबले में साहपरी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 65 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में उतरी टांडा खुलासा की टीम प्रतिद्वंदी टीम के बालरों के आगे नहीं टिक सकी। साहपरी की टीम ने 20 रनों से मैच जीत कर खिताब पर कब्जा कर लिया।

दुकान पर जलेबी का स्वाद चखती राज्यमंत्री नीलिमा कटियार दाएं से दूसरे ● जागरण

जलेबी खाने गिन्नी की दुकान पर पहुंची मंत्री

अयोध्या : राज्य मंत्री नीलिमा कटियार ने रामजन्मभूमि व हनुमानगढ़ी जाकर पूजन अर्चन किया। इसके बाद वे छोटी देवकाली मंदिर के समीप स्थित प्रख्यात गिन्नी की जलेबी की दुकान पर पहुंचीं। बड़े चाव से उन्होंने कुल्हड़ में दही व जलेबी का आनंद लिया और गिन्नी का उत्साहवर्धन किया। मंत्री के साथ अवध विवि कैंपस के क्रीड़ा प्रभारी डॉ.मुकेश वर्मा रहे।

स्वतंत्र चेतना, अयोध्या

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

श्रीराम मन्दिर निर्माण को कुलपति ने दिए एक लाख रूपये दान

भगवान श्रीराम जन-जन के नायक : प्रो0 रविशंकर सिंह

चेतना समाचार सेवा

अयोध्या। भगवान श्रीराम जन-जन के नायक है। इनको किसी भी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रभु श्रीराम ने जो मार्ग हम सभी को दिखाया है उस पर हम चलने का प्रयास करें। उक्त बातें ड0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने गत् शुक्रवार को गुरूदेव पैलेस, नाका बाईपास, श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के शुभारम्भ पर मीडिया को संबोधित करते हुए कही। कुलपति प्रो0 सिंह ने मन्दिर निर्माण के लिए एक लाख एक रूपयें दान स्वरूप निधि समर्पण अभियान को भेट किये। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम का मन्दिर निर्माण भारतवासियों के खुशी का क्षण है। इसके लिए इस अभियान का शुभारम्भ किया गया है। इसमें सभी देशवासियों को खुलकर सहयोग प्रदान करना चाहिए। कुलपति ने बताया कि इस अभियान में शामिल होना कही न कही पूर्व जन्मों को संस्कार है जिसका हम भी साक्षी बन रहे है। इस अभियान में मुस्लिम भाई भी बढ़चढ़ कर अपना सहयोग एवं समर्पण धनराशि दे रहे है उनकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। इनके द्वारा इस मुहिम में किये गये सहयोग से समाज में एक अच्छा संदेश एवं भावना जाग्रत होगी। इससे देश बहुत तेजी से विकास की ओर उन्मुख होगा। अंत में कुलपति प्रो0 सिंह ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि श्रीराम ने जो हम सभी के लिए आदर्श का मार्ग दिखाया है। उस पर चलने का प्रयास करें। तन मन धन से खुलकर सहयोग प्रदान करें। इस अभियान में विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो0 आर0 के0 सिंह, राष्ट्रीय मंच पश्चिम बंगाल के महासचिव वसी हैदर, नगर संघचालक अनिल सिंह, नाका हनुमान गढी के महंत रामदास जी, राष्ट्रीय कथावाचक चंद्रांशु जी महाराज, हनुमानगढी के महंत राजू दास जी, अवध प्रांत प्रभारी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच हाजी सईद अहमद, नगर अभियान प्रमुख विवेक शुक्ल, डॉ0 अनिल कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

श्रीराम मन्दिर निर्माण के लिए कुलपति ने एक लाख एक रूपयें दान स्वरूप प्रदान किए

भगवान श्रीराम जन-जन के नायकः कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह

प्रभु श्रीराम को किसी एक विशेष धर्म से जोड़ा नही जा सकताः कुलपति

रिपोर्ट सर्वेश श्रीवास्तव

अयोध्या।

भगवान श्रीराम जन-जन के नायक है। इनको किसी भी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रभु श्रीराम ने जो मार्ग हम सभी को दिखाया है उस पर हम चलने का प्रयास करें। उक्त बातें डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने गत् शुक्रवार को गुरूदेव पैलेस, नाका बाईपास, श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के शुभारम्भ पर मीडिया को संबोधित करते हुए कही। कुलपति प्रो0 सिंह ने मन्दिर निर्माण के लिए एक लाख एक रूपयें दान स्वरूप निधि समर्पण

अभियान को भेट किये। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम का मन्दिर निर्माण भारतवासियों के खुशी का क्षण है। इसके लिए इस अभियान का शुभारम्भ किया गया है। इसमें सभी देशवासियों को खुलकर सहयोग प्रदान करना चाहिए। कुलपति ने बताया कि इस अभियान में शामिल होना कही न कही पूर्व जन्मों को संस्कार है जिसका हम भी साक्षी बन रहे है। इस अभियान में मुस्लिम भाई भी बढ़चढ़ कर अपना सहयोग एवं समर्पण धनराशि दे रहे है उनकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। इनके द्वारा इस मुहिम में किये गये सहयोग से समाज में एक अच्छा संदेश एवं भावना जाग्रत होगी। इससे देश बहुत तेजी से विकास की ओर उन्मुख होगा। अंत में कुलपति प्रो0 सिंह ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि श्रीराम ने जो हम सभी के लिए आदर्श का मार्ग दिखाया है। उस पर चलने का प्रयास करें। तन मन धन से खुलकर सहयोग प्रदान करें। इस अभियान में विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो0 आर0 के0 सिंह, राष्ट्रीय मंच पश्चिम बंगाल के महासचिव वसी हैदर, नगर संघचालक अनिल सिंह, नाका हनुमान गढी के महंत रामदास जी, राष्ट्रीय कथावाचक चंद्रांशु जी महाराज, हनुमानगढी के महंत राजू दास जी, अवध प्रांत प्रभारी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच हाजी सईद अहमद, नगर अभियान प्रमुख विवेक शुक्ल, डॉ0 अनिल कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

तरूण प्रवाह, लखनऊ

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 03

अवध विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

स्वावलंबी भारत की पहचान नई शिक्षा नीति में समाहित हैः राज्यमंत्री नीलिमा कटियार

आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगाः कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह

रिपोर्ट सर्वेश श्रीवास्तव अयोध्या।

डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आज 20 जनवरी, 2021 को नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है। उन्होंने बताया कि हम दुनियां की सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहे है। जिस प्रकार प्राचीन काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धति को एक साथ लाया गया है। नीलिमा कटियार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आज भारत प्रत्येक आपदा में संभावना देख रहा है। स्वावलंबी भारत और

उभरते हुए भारत की पहचान इस नई शिक्षा नीति में समाहित है। इस नीति का प्रसार जितना शीघ्रता से किया जायेगा उसका परिणाम उतनी ही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वूपर्ण हो गई है। राज्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक एक विद्यार्थी दृढ़ संकल्प करे। तभी हम उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ सकेंगे एवं सक्षम बनेंगे। आज जरूरत है कि उन महापुरूषों के आदर्शों के प्रतिमान का अनुसरण करते हुए उनके रास्तों पर चलने की जो हमें हमारी पहचान से जोड़ती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सीखने और सिखाने का अनुसरण करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी तबको को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है।

शीघ्र ही इसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे। अंत में कुलपति प्रो0 सिंह ने दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आयोजको को शुभकामनाएँ दी। अन्य वक्ताओं में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो0 मनोज अग्रवाल, प्रो0 दिनेश कुमार, विवि आईईटी के निदेशक प्रो0 रमापति मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो0 चयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखते हुए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रो0 पी0वी0 राजीव एवं प्रो0 आर0एस0 मिश्र ने संबोधित किया। समापन सत्र का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया गया। विश्वविद्यालय कुलगीत की डिजीटली प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर मनीषा यादव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 तरुण गंगवार ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ0 मुकेश वर्मा, इंजीनियर नितेश दीक्षित, इंजीनियर राजीव कुमार, इंजीनियर आशीष पाण्डेय, इंजीनियर श्वेता मिश्र, डॉ0 महिमा चौरसिया का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 अशोक कुमार शुक्ल, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 महेन्द्र सिंह, इंजीनियर चंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वतंत्र भारत, लखनऊ

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 08

नई शिक्षा नीति में समाहित भारत की पहचान : नीलिमा

अयोध्या (ब्यूरो)। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला के समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है। उन्होंने बताया कि हम दुनियां की सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहे है। जिस प्रकार प्राचीन काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धति को एक साथ लाया गया है। नीलिमा कटियार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आज भारत प्रत्येक आपदा में संभावना देख रहा है। स्वावलंबी भारत और उभरते हुए भारत की पहचान इस नई शिक्षा नीति में समाहित है। इस नीति का प्रसार जितना शीघ्रता से किया जायेगा उसका परिणाम उतनी ही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वूपर्ण हो गई है। राज्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक एक विद्यार्थी दृढ़ संकल्प करे। तभी हम उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ सकेंगे एवं सक्षम बनेंगे। आज जरूरत है कि उन महापुरूषों के आदर्शों के प्रतिमान का अनुसरण करते हुए उनके रास्तों पर चलने की जो हमें हमारी पहचान से जो?ती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सीखने और सिखाने का अनुसरण करना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी तबको को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। शीघ्र ही इसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे। अंत में कुलपति प्रो0 सिंह ने दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आयोजको को शुभकामनाएँ दी। अन्य वक्ताओं में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो0 मनोज अग्रवाल, प्रो0 दिनेश कुमार, विवि आईईटी के निदेशक प्रो0 रमापति मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो0 चयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखते हुए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रो0 पी0वी0 राजीव एवं प्रो0 आर0एस0 मिश्र ने संबोधित किया।

समापन सत्र का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया गया। विश्वविद्यालय कुलगीत की डिजीटली प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर मनीषा यादव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 तरुण गंगवार ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ0 मुकेश वर्मा, इंजीनियर नितेश दीक्षित, इंजीनियर राजीव कुमार, इंजीनियर आशीष पाण्डेय, इंजीनियर श्वेता मिश्र, डॉ0 महिमा चैरसिया का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 अशोक कुमार शुक्ल, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 महेन्द्र सिंह, इंजीनियर चंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 01

अवध विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

स्वावलंबी भारत की पहचान नई शिक्षा नीति में समाहित है: राज्यमंत्री

आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा: कुलपति

(शान्तिमोर्चा संवाद)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आज 20 जनवरी, 2021 को नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी तबको को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है।लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो0 मनोज अग्रवाल, प्रो0 दिनेश कुमार, विवि आईईटी के निदेशक प्रो0 रमापति मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो0 चयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखते हुए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रो0 पी0वी0 राजीव एवं प्रो0 आर0एस0 मिश्र ने संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर मनीषा यादव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 तरुण गंगवार ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ0 मुकेश वर्मा, इंजीनियर नितेश दीक्षित, इंजीनियर राजीव कुमार, इंजीनियर आशीष पाण्डेय, इंजीनियर श्वेता मिश्र, डॉ0 महिमा चौरसिया का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 अशोक कुमार शुक्ल, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 महेन्द्र सिंह, इंजीनियर चंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शांतिमोर्चा, अयोध्या

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 01

भगवान श्रीराम जन–जन के नायक : प्रो0 रविशंकर सिंह

श्रीराम मन्दिर निर्माण के लिए कुलपति ने दिया एक लाख एक रूपयें का दान

अयोध्या। भगवान श्रीराम जन–जन के नायक है। इनको किसी भी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रभु श्रीराम ने जो मार्ग हम सभी को दिखाया है उस पर हम चलने का प्रयास करें। उक्त बातें डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने गत् शुक्रवार को गुरूदेव पैलेस, नाका बाईपास, श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के शुभारम्भ पर मीडिया को संबोधित करते हुए कही। कुलपति प्रो0 सिंह ने मन्दिर निर्माण के लिए एक लाख एक रूपयें दान स्वरूप निधि समर्पण अभियान को भेट किये। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम का मन्दिर निर्माण भारतवासियों के खुशी का क्षण है। इसके लिए इस अभियान का शुभारम्भ किया गया है। इसमें सभी देशवासियों को खुलकर सहयोग प्रदान करना चाहिए। कुलपति ने बताया कि इस अभियान में शामिल होना कही न कही पूर्व जन्मों को संस्कार है जिसका हम भी साक्षी बन रहे है। इस अभियान में मुस्लिम भाई भी बढ़चढ़ कर अपना सहयोग एवं समर्पण धनराशि दे रहे है उनकी जितनी प्रशसा की जाये वह कम है। इनके द्वारा इस मुहिम में किये गये सहयोग से समाज में एक अच्छा संदेश एवं भावना जाग्रत होगी। इससे देश बहुत तेजी से विकास की ओर उन्मुख होगा। अंत में कुलपति प्रो0 सिंह ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि श्रीराम ने जो हम सभी के लिए आदर्श का मार्ग दिखाया है। उस पर चलने का प्रयास करें। तन मन धन से खुलकर सहयोग प्रदान करें। इस अभियान में विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो0 आर0 के0 सिंह, राष्ट्रीय मंच पश्चिम बंगाल के महासचिव वसी हैदर, नगर संघचालक अनिल सिंह, नाका हनुमान गढी के महंत रामदास, राष्ट्रीय कथावाचक चंद्रांशु सहित अन्य उपस्थि

जनाभास, लखनऊ

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 01

श्रीराम मन्दिर निर्माण के लिए कुलपति ने एक लाख एक रूपयें दान स्वरूप प्रदान किए

- प्रभु श्रीराम को किसी एक विशेष धर्म से जोड़ा नही जा सकता: कुलपति

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। भगवान श्रीराम जन–जन के नायक है। इनको किसी भी एक विशेष धर्म से जोड़ा नहीं जा सकता है। प्रभु श्रीराम ने जो मार्ग हम सभी को दिखाया है उस पर हम चलने का प्रयास करें। उक्त बातें डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 रविशंकर

सिंह ने गत् शुक्रवार को गुरूदेव पैलेस, नाका बाईपास, श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के शुभारम्भ पर मीडिया को संबोधित करते हुए कही। कुलपति प्रो0 सिंह ने मन्दिर निर्माण के लिए एक लाख एक रूपयें दान स्वरूप निधि समर्पण अभियान को भेट किये। उन्होंने बताया कि भगवान श्रीराम का मन्दिर निर्माण भारतवासियों के खुशी का क्षण है। इसके लिए इस अभियान का शुभारम्भ किया गया है। इसमें सभी देशवासियों को खुलकर सहयोग प्रदान करना चाहिए। कुलपति ने बताया कि इस अभियान में शामिल होना कही न कही पूर्व जन्मों को संस्कार है जिसका हम भी साक्षी बन रहे है। इस अभियान में मुस्लिम भाई भी बढ़चढ़ कर अपना सहयोग एवं समर्पण धनराशि दे रहे है उनकी जितनी प्रशंसा की जाये वह कम है। इनके द्वारा इस मुहिम में किये गये सहयोग से समाज में एक अच्छा संदेश एवं भावना जाग्रत होगी। इससे देश बहुत तेजी से विकास की ओर उन्मुख होगा। अंत में कुलपति प्रो0 सिंह ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि श्रीराम ने जो हम सभी के लिए आदर्श का मार्ग दिखाया है। उस पर चलने का प्रयास करें। तन मन धन से खुलकर सहयोग प्रदान करें। इस अभियान में विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो0 आर0 के0 सिंह, राष्ट्रीय मंच पश्चिम बंगाल के महासचिव वसी हैदर, नगर संघचालक अनिल सिंह, नाका हनुमान गढी के महंत रामदास जी, राष्ट्रीय कथावाचक चंद्रांशु जी महाराज, हनुमानगढी के महंत राजू दास जी, अवध प्रांत प्रभारी मुस्लिम राष्ट्रीय मंच हाजी सईद अहमद, नगर अभियान प्रमुख विवेक शुक्ल, डॉ0 अनिल कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

जनाभास, लखनऊ

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 04

अवध विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

अश्वनी पांडेय

जनाभास,अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में आज 20 जनवरी, 2021 को नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है। उन्होंने बताया कि हम दुनियां की सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहे है। जिस प्रकार प्राचीन काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धति को एक साथ लाया गया है। नीलिमा कटियार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आज भारत प्रत्येक आपदा में संभावना देख रहा है। स्वावलंबी भारत और उभरते हुए भारत की पहचान इस नई शिक्षा नीति में समाहित है। इस नीति का प्रसार जितना शीघ्रता से किया जायेगा उसका परिणाम उतनी ही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वूपर्ण हो गई है। राज्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक एक विद्यार्थी दृढ़ संकल्प करे। तभी हम उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ सकेंगे एवं सक्षम बनेंगे। आज जरूरत है कि उन महापुरूषों के आदर्शों के प्रतिमान का अनुसरण करते हुए उनके रास्तों पर चलने की जो हमें हमारी पहचान से जोड़ती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सीखने और सिखाने का अनुसरण करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विवि के कुलपति प्रो0 रविशंकर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर देश के लिए नई शिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी तबको को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। शीघ्र ही इसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे। अंत में कुलपति प्रो0 सिंह ने दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आयोजको को शुभकामनाएँ दी। अन्य वक्ताओं में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो0 मनोज अग्रवाल, प्रो0 दिनेश कुमार, विवि आईईटी के निदेशक प्रो0 रमापति मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो0 चयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखते हुए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रो0 पी0वी0 राजीव एवं प्रो0 आर0एस0 मिश्र ने संबोधित

किया। समापन सत्र का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया गया। विश्वविद्यालय कुलगीत की डिजीटली प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर मनीषा यादव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ0 तरुण गंगवार ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ0 मुकेश वर्मा, इंजीनियर नितेश दीक्षित, इंजीनियर राजीव कुमार, इंजीनियर आशीष पाण्डेय, इंजीनियर श्वेता मिश्र, डॉ0 महिमा चौरसिया का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो0 अजय प्रताप सिंह, प्रो0 अशोक कुमार शुक्ल, प्रो0 शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ0 महेन्द्र सिंह, इंजीनियर चंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला रोजगार मेले में कांग्रेस विधायकों की उपेक्षा से भड़के कांग्रेसी, जमकर किया विरोध प्रदर्शन

इसरार खान लियाकत

को जैसे ही निकले तो पुलिस सतके

अमृत विचार, लखनऊ

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 10

स्वावलंबी भारत की पहचान नई शिक्षा नीति में समाहित

अमृत विचार अयोध्या

सम्बोधन

- नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के संत कबीर सभागार में बुधवार को नई शिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है।

देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है। उन्होंने बताया कि हम दुनियां की सबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहे है। जिस प्रकार प्राचीन काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एक साथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कई शिक्षा पद्धति को एक साथ लाया गया है। नीलिमा कटियार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आज भारत प्रत्येक आपदा में संभावना देख रहा है। स्वावलंबी भारत और उभरते हुए भारत की पहचान इस नई शिक्षा नीति में समाहित है। इस नीति का प्रसार जितना शीघ्रता से किया जायेगा उसका परिणाम उतनी ही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वूपर्ण हो गई है। राज्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक एक विद्यार्थी दृढ़ संकल्प करे। तभी हम उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ सकेंगे एवं सक्षम बनेंगे।

ग्राम्यवार्ता, लखनऊ

दिनांकः 21 जनवरी, 2021 पृष्ठ संख्याः 02

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
ग्राम्य वार्ता
ग्रामीण भारत का सजग प्रहरी

हरदोई/शाहजहांपुर/आजमगढ़/प्रदेश

स्वावलंबी भारत की पहचान नई शिक्षा नीति में समाहित है: राज्यमंत्री

❖अवध विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति परदो दिवसीय कार्यशाला का हुआ समापन

ग्राम्यवार्ता संवाददाता

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय केसंत कबीर सभागार में आज 20 जनवरी, 2021 को नईशिक्षा नीति पर दो दिवसीय कार्यशाला का समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार, राज्य मंत्री उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्तर प्रदेश ने कहा कि आज देश समग्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। देश के वर्तमान भविष्य सभी को मिलकर अच्छा बनाना है। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था उस देश के विद्यार्थियों को देखकर पता चल सकती है। उन्होंने बताया कि हम दुनियां कीसबसे समृद्ध शिक्षा व्यवस्था के आदर्शों पर चलने जा रहे है। जिस प्रकार प्राचीन काल में शस्त्र और शास्त्र की शिक्षा एकसाथ ग्रहण की जाती थी उसी प्रकार नई शिक्षा नीति में कईशिक्षा पद्धति को एक साथ लाया गया है। नीलिमा कटियार ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। आज भारत प्रत्येक आपदा में संभावना देख रहा है। स्वावलंबी भारत और उभरते हुए भारत कीपहचान इस नई शिक्षा नीति में समाहित है। इस नीति का प्रसार जितना शीघ्रता से किया जायेगा उसका परिणाम उतनीही शीघ्रता से प्राप्त होगा। इसके लिए शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। राज्यमंत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि एक एक विद्यार्थी दृढ़ संकल्प करे। तभीहम उत्कृष्टता के साथ आगे बढ़ सकेंगे एवं सक्षम बनेंगे। आज जरूरत है कि उन महापुरूषों के आदर्शों के प्रतिमान का अनुसरण करते हुए उनके रास्तों पर चलने की जो हमें हमारी पहचान से

जोड़ती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सीखने और सिखाने का अनुसरण करना है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अवध विवि के कुलपति प्रो. रविशंकर सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर देश के लिए नईशिक्षा नीति का अनुसरण करना होगा। समाज के सभी तबको को नई शिक्षा नीति के विविध पहलुओं से परिचित कराने के लिए शिक्षकों एवं छात्रों की भूमिका बढ़ गई है। विश्वविद्यालय ने इसे लागू कराने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। शीघ्र हीइसके सुखद परिणाम दिखाई देंगे। अंत में कुलपति प्रो. सिंहने दो दिवसीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दी। अन्य वक्ताओं में लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रो. मनोज अग्रवाल, प्रो. दिनेश कुमार, विवि आईईटी के निदेशक प्रो. रमापति मिश्र ने नई शिक्षानीति पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. चयन कुमार मिश्र ने नई शिक्षा नीति पर अपने विचार रखते हुए आयोजकों को बधाई दी। कार्यक्रम के पहले दिन उद्घाटन सत्र में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी के प्रो. पी.वी. राजीव एवं प्रो. आर.एस. मिश्र ने संबोधित किया।

समापन सत्र का शुभारम्भ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया गया। विश्वविद्यालय कुलगीत की डिजीटली प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम का संचालन इंजीनियर मनीषा यादव ने किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. तरुण गंगवार ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. मुकेश वर्मा, इंजीनियर नितेश दीक्षित, इंजीनियर राजीव कुमार, इंजीनियरआशीष पाण्डेय, इंजीनियर श्वेता मिश्र, डॉ. महिमा चैरसिया का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर कुलसचिव उमानाथ, मुख्य नियंता प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अशोक कुमार शुक्ल, प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा, डॉ. महेन्द्र सिंह, इंजीनियरचंदन अरोड़ा, इंजीनियर प्रवीण मिश्र, इंजीनियर नवीन पटेलसहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कानपुर देहात के शिवली में खेत में मिला महिला का शव

कानपुर देहात। शिवली कस्बे में पांडु नदी किनारे खेत में करीब 40 वर्षीय महिला का अर्द्धनग्न हालत में शव मिला। आशंका है कि दुष्कर्म के बाद हत्या कर शव को वहां फेंक दिया गया। पास में ही चूड़ी भी टूटी मिली है। एएसपी व पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन की। मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पांडु नदी किनारे हरीकृष्ण अग्निहोत्री के खेत में महिला का शव पड़ा मिला। ग्रामीणों ने शव देखा तो घटना का पता चल सका। पुलिस ने आसपास गांव में पूछताछ की पर कोई उसकी शिनाख्त नहीं कर सका। अर्द्धनग्न हालत में होने से आशंका जताई जा रही कि दुष्कर्म किया गया और उसके बाद हत्या की गई है। शव एक दो दिन पुराना हो गया था।